कुमारी, कविता कुमारी समेत कई मौजूद थे.

सरिया कॉलेज में ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित

सरिया. सरिया कॉलेज में में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (दो) ने पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया. मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त उप निदेशक नेहरू युवा केंद्र संगठन, युवा मामले एवं खेलकूद मंत्रालय भारत सरकार के गोपाल चंद्र ओझा व विशिष्ट अतिथि विभावि हजारीबाग राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ जॉनी रुफिना तिर्की ने संबोधित किया. संगोष्ठी में प्रो रघुनंदन हजाम, प्रो प्रमोद कुमार, प्रो आशीष कुमार सिंह, विशाल कुमार, शुभम प्रियांशु, आकाश मंडल, प्रीति, अनन्या, मनीषा, सोनी, आशा, राजदेव, अनिका, अवधेश, पुष्पा, निशा, संगीता, रोजी आफरीन, विशाल, राजीव, रीतलाल प्रसाद वर्मा, जय परकाश वर्मा, अमित वर्मा, सुरजू मांझी, रामशंकर ठाकुर, खूबलाल वर्मा, विजय पंडित, रामदेव ठाकुर, अनोती देवी, किरण वर्मा, जयमाला वर्मा, मीना पांडेय, विनोद वर्मा आदि मौजूद थे.

व्यापक बदलाव लाने में युवाओं की अहम भूमिका : गोपाल चंद्र ओझा

सरिया(गिरिडीह): अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरिया कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई दो के द्वारा पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में उप निदेशक (सेवानिवृत्त) नेहरू युवा केंद्र संगठन, युवा मामले एवं खेलकूद मंत्रालय भारत सरकार के गोपाल चंद्र ओझा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में बिनोवा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ जॉनी रुफिना तिर्की के रूप में उपस्थित थे। मुख्य वक्ता गोपाल चंद्र ओझा ने कहा के औद्योगिकरण, बड़े प्रोजेक्ट के निर्माण, बड़े कल कारखाने, नए चौड़ी सड़कों का निर्माण एवं नगरीकरण आदि की वजह से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। विकास के कार्यों को स्वीकार करते हुए हमें वैज्ञानिक तरीके से ऐसे मार्ग की खोज करने की जरूरत है जिससे पर्यावरण सुरक्षित वा संवर्धित रह सके। इस दिशा में युवाओं को सरकार पर दबाव डालने की जरूरत है ताकि अपनी नीतियों में बदलाव लाए जिससे पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि युवा बदलाव का वाहक होते है। युवाओं को पर्यावरण का संरक्षण करने के लिए अपने व्यवहारिक जीवन में कई बदलाव करने कि जरूरत है ताकि पृथ्वी के जीव जंतु, पेड़ -पौधे तथा छोटे एवं सूक्ष्म जीवो की अस्तित्व की रक्षा की जा सके। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों द्वारा भी सरिया क्षेत्र में जगह-जगह पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। जिसमें गांव सेवा आश्रम शहर पंचगव्य अनुसंधान केंद्र कोइरीडीह तथा नारी उत्थान मंच चंद्रमारणी द्वारा छायादार व फलदार वृक्ष लगाए गए। ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो अरुण कुमार ने की। जबकि धन्यवाद ज्ञापन आईक्यूएससी के समन्वयक प्रो रविंद्र कुमार मिश्रा ने की। इस अवसर पर कई छात्र छात्राओं ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में इकाई दो के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो रघुनंदन हजाम, प्रो प्रमोद कुमार, प्रो आशीष कुमार सिंह, विशाल कुमार, शुभम प्रियांशु, आकाश मंडल, प्रीति सिंह, अनन्या कुमारी, मनीषा कुमारी, सोनी कुमारी, आशा कुमारी, राजदेव यादव, अनिका कुमारी, अवधेश कुमार मोदी, पुष्पा कुमारी, निशा, संगीता, रोजी आफरीन, विशाल, राजीव, रीतलाल प्रसाद वर्मा, जय प्रकाश वर्मा, अमित वर्मा, सुरजू मांझी, किरण वर्मा, जयमाला वर्मा, मीना पांडेय समेत काफी संख्या में स्वयंसेवक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।